ओं हृषीकेशाय नारायणाय नम:
ओं हृषीकेशाय केशवाय नम:
ओं हृषीकेशाय दामोदराय नम:
ओं हृषीकेशाय श्रीधराय नम:

१. चक्र मूर्ति
ओं ओं नमो भगवते वासुदेवाय विष्णवे चक्र मूर्तये
माम् रक्ष रक्ष, चक्र मूर्ति धराय चक्र मूर्ति धर सेनाधिपतये,
महा चक्राय हुम् फट् स्वहा॥

२. गद मूर्ति
ओं ओं नमो भगवते वासुदेवाय विष्णवे गदि मूर्तये
माम् रक्ष रक्ष, गदि मूर्ति धराय गदि मूर्ति धर सेनाधिपतये,
महा गदायै हुम् फट् स्वहा॥

३. शारंग मूर्ति
ओं ओं नमो भगवते वासुदेवाय विष्णवे शारंग मूर्तये
माम् रक्ष रक्ष, शारंग मूर्ति धराय शारंग मूर्ति धर
सेनाधिपतये, महा शारंगायै हुम् फट् स्वहा॥

४. खड्ग मूर्ति
ओं ओं नमो भगवते वासुदेवाय विष्णवे खड्ग मूर्तये
माम् रक्ष रक्ष, खड्ग मूर्ति धराय, खड्ग मूर्ति धर
सेनाधिपतये, महा खड्गायै हुम् फट् स्वहा॥

५. शंख मूर्ति
ओं नमो भगवते वासुदेवाय विष्णवे शंख मूर्तये
माम् रक्ष रक्ष, शंख मूर्ति धराय, शंख मूर्ति धर सेनाधिपतये,
महा पांचजन्यायै स्वहा॥

६. हल मूर्ति
ओं नमो भगवते वासुदेवाय विष्णवे हल मूर्तये
माम् रक्ष रक्ष, हल मूर्ति धराय, हल मूर्ति धर सेनाधिपतये,
महा हलायै स्वहा॥

७. मुसल मूर्ति
ओं नमो भगवते वासुदेवाय विष्णवे मुसल मूर्तये
माम् रक्ष रक्ष, मुसल मूर्ति धराय, मुसल मूर्ति धर

सॆनाधिपतयॆ, महा मुसलायै स्वहा॥

८. त्रिसूल मूर्ति
ओं नमॊ भगवतॆ वासुदॆवाय विष्णवॆ त्रिसूल मूर्तयॆ
माम् रक्ष रक्ष, त्रिसूल मूर्ति धराय, त्रिसूल मूर्ति धर
सॆनाधिपतयॆ, महा त्रिसूलायै स्वहा॥

९. दंड मूर्ति
ओं नमॊ भगवतॆ वासुदॆवाय विष्णवॆ दंड मूर्तयॆ
माम् रक्ष रक्ष, दंड मूर्ति धराय, दंड मूर्ति धर सॆनाधिपतयॆ,
महा धंडायै नमः स्वहा॥

१०. कुंत मूर्ति
ओं नमॊ भगवतॆ वासुदॆवाय विष्णवॆ कुंत मूर्तयॆ
माम् रक्ष रक्ष, कुंत मूर्ति धराय, कुंत मूर्ति धर सॆनाधिपतयॆ,
महा कुंतायै नमः स्वहा॥

११. शक्ति मूर्ति
ओं नमॊ भगवतॆ वासुदॆवाय विष्णवॆ शक्ति मूर्तयॆ

माम् रक्ष रक्ष, शक्ति मूर्ति धराय, शक्ति मूर्ति धर
सेनाधिपतये, महा शक्त्यायै नमः स्वहा॥

१२. अंकुश मूर्ति
ओं नमो भगवते वासुदेवाय विष्णवे अंकुश मूर्तये
माम् रक्ष रक्ष, अंकुश मूर्ति धराय, अंकुश मूर्ति धर
सेनाधिपतये, महा अंकुशायै नमः स्वहा॥

१३. कुलिश मूर्ति
ओं नमो भगवते वासुदेवाय विष्णवे कुलिश मूर्तये
माम् रक्ष रक्ष, कुलिश मूर्ति धराय, कुलिश मूर्ति धर
सेनाधिपतये, महा कुलिशायै नमः स्वहा॥

१४. वज्र मूर्ति
ओं नमो भगवते वासुदेवाय विष्णवे वज्र मूर्तये
माम् रक्ष रक्ष, वज्र मूर्ति धराय, वज्र मूर्ति धर सेनाधिपतये,
महा वज्रायै नमः स्वहा॥

१५. परसु मूर्ति

ओं नमो भगवते वासुदेवाय विष्णवे परसु मूर्तये
माम् रक्ष रक्ष, परसु मूर्ति धराय, परसु मूर्ति धर सेनाधिपतये,
महा परसायै नमः स्वहा॥

१६. शत मुखाग्नि मूर्ति
ओं नमो भगवते वासुदेवाय विष्णवे शत मुखाग्नि मूर्तये माम्
रक्ष रक्ष, शत मुखाग्नि मूर्ति धराय, शतमुखाग्नि मूर्ति धर
सेनाधिपतये, महा शत मुखग्नियै नमः स्वहा॥

१७. वराह मूर्ति
ओं नमो भगवते वासुदेवाय विष्णवे पौत्रोदत धराय वराह
मूर्तये माम् रक्ष रक्ष, वराह मूर्ति धराय, वराह मूर्ति धर
सेनाधिपतये, महा वराहायै नमः स्वहा॥

१८. नृसिंह मूर्ति
ओं नमो भगवते वासुदेवाय विष्णवे नखदलित रिपु विग्रहाय
नृसिंह मूर्तये माम् रक्ष रक्ष, नृसिंह मूर्ति धराय, नृसिंह मूर्ति
धर सेनाधिपतये, महा नृसिंहायै नमः स्वहा॥

१९. गरुड मूर्ति

ओं नमो भगवते वासुदेवाय विष्णवे महा पक्षि राजाय
गरुत्मते हरि वाहनाय प्रणात्मने गरुड मूर्तये
माम् रक्ष रक्ष, गरुड मूर्ति धराय, गरुड मूर्ति धर
सेनाधिपतये, महा गरुडायै नमः स्वहा॥

२०. हनुमत मूर्ति

ओं नमो भगवते वासुदेवाय विष्णवे पंचमुख महा बलाय
हनुमते, माम् रक्ष रक्ष, हनुमत मूर्ति धराय, हनुमत मूर्ति धर
सेनाधिपतये, महा हनुमते नमः स्वहा॥